



अमृतवाणी

बड़ा नोकर बनने से अच्छा है कि छोटा लौकर बन जाओ, दूसरे के पीछे चलने से अच्छा है अपना रास्ता स्थुद बनाओ।

सूर्योदय : 7:03 सूर्यास्त-6:03

सम्पर्क संख्या : 9368549219, 8077929606

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

दिल्ली वासियों में आपदा से स्कून है : मोदी



जो कहते थे हम दिल्ली के मालिक हैं उन्हें जनता ने बस पंजाब का छोड़ा है...

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

सम्पर्क संख्या : 9368549219, 8077929606

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

तारीख : 53/ अंक : 39 दिवार, 09 फरवरी 2025

माघ, शुक्ल पक्ष, द्वादशी

सम्वत् 2081

मूल्य 3 रुपये

कुल पृष्ठ-4

तारीख : 53/ अंक : 39 दिवार, 09 फरवरी 2025

माघ, शुक्ल पक्ष, द्वादशी

सम्वत् 2081

मूल्य 3 रुपये

कुल पृष्ठ-4

तिनका-तिनका हुई झाड़, देश के दिल पर भाजपा राज

► सिर्फ 'आप' को ही नहीं, जनता ने 'केजरीवाल, मनीष सिसोदिया' को भी उत्खान फेंका ► इग्नी झोपड़ी गालों से लेकर मंदिर के पुरोहितों को प्रलोभन देना भी नहीं आया काम

मुजफ्फरनगर, 8 फरवरी (बु.)। 12 वर्षों के बाद दिल्ली ने किस एक बार बदलाव को बदार बदार की। 12 वर्षों से पहले दिल्ली का इतिहास रहा कि कितना भी धरार शाम बढ़ा बनाकर, जिस सदी की कानों पर मफर्रत लगें, हल्की हल्की खासी के साथ जाता के बारे जाना और उन्हें दिल गुमल करने की कोशिश करता था सों मंत्र इस बार मोदी मंत्र में तिनका-तिनका हांक बिहार गए। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्होंने 'आप' को अपनी जनता के बिनका-तिनका हो रही झाड़ की बात कही तो वास्तव में मोदी मैंजिक दिल्ली की जनता के दिलों पर चलता



न इग्नी-झोपड़ी गालों ने दिया साध, न मृपत की रेवड़ियों से बनी बात

मुजफ्फरनगर। दिल्ली की जनता बर मुख्यमंत्री रह चुके के जरीवाल को एक भारी और भी दैदारी हो गया कि गंगा लोगों के बैरागी नहीं आए और आज दिल्ली की जनता ने सारे लालच नकारक भाजपा की सरकार बनाने में दिल्ली का भला समाज। दिल्ली के पुरुषियों की बात माने तो उनका कहना है कि दिल्ली का विद्यावाक ने एक हरियाणा में बदलाव नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव बढ़ा रही साथी था, मगर दिली के चुनाव में वर्ष की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के दिस्से वर्ष माने में दुकुन लानाने की बात कहकर पूरे कर दी। उनके बाद भी जीवों के बीच भाजपा ने अपने दर्द दिल दिलाया। हरियाणा में जिस तरह संघ संसद और भाजपा के प्रबंधन न रहा की जीवों में बदल दिया था, ठीक तरह 14 नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव

दिल्ली। वहीं रही-सही करस जीत दिलाने में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जीवों की अदिलवाली ने वर्ष की बात कहकर पूरे कर दी। उनके बाद भी जीवों के बीच भाजपा ने अपने दर्द दिल दिलाया। हरियाणा में जिस तरह संघ संसद और भाजपा के प्रबंधन न रहा की जीवों में बदल दिया था, ठीक तरह 14 नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। अब दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव

न इग्नी-झोपड़ी गालों ने दिया साध, न मृपत की रेवड़ियों से बनी बात

मुजफ्फरनगर। दिल्ली की जनत बर मुख्यमंत्री रह चुके के जरीवाल को एक भारी और भी दैदारी हो गया कि गंगा लोगों के बैरागी नहीं आए और आज दिल्ली की जनता ने सारे लालच नकारक भाजपा की सरकार बनाने में दिल्ली का भला समाज। दिल्ली के पुरुषियों की जनता ने उनका कहना है कि दिल्ली का विद्यावाक ने एक हरियाणा में बदलाव नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। अब दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव

न इग्नी-झोपड़ी गालों ने दिया साध, न मृपत की रेवड़ियों से बनी बात

मुजफ्फरनगर। दिल्ली की जनता बर मुख्यमंत्री रह चुके के जरीवाल को एक भारी और भी दैदारी हो गया कि गंगा लोगों के बैरागी नहीं आए और आज दिल्ली की जनता ने सारे लालच नकारक भाजपा की सरकार बनाने में दिल्ली का भला समाज। दिल्ली के पुरुषियों की जनता ने उनका कहना है कि दिल्ली का विद्यावाक ने एक हरियाणा में बदलाव नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। अब दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव

न इग्नी-झोपड़ी गालों ने दिया साध, न मृपत की रेवड़ियों से बनी बात

मुजफ्फरनगर। दिल्ली की जनता बर मुख्यमंत्री रह चुके के जरीवाल को एक भारी और भी दैदारी हो गया कि गंगा लोगों के बैरागी नहीं आए और आज दिल्ली की जनता ने सारे लालच नकारक भाजपा की सरकार बनाने में दिल्ली का भला समाज। दिल्ली के पुरुषियों की जनता ने उनका कहना है कि दिल्ली का विद्यावाक ने एक हरियाणा में बदलाव नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। अब दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव

न इग्नी-झोपड़ी गालों ने दिया साध, न मृपत की रेवड़ियों से बनी बात

मुजफ्फरनगर। दिल्ली की जनता बर मुख्यमंत्री रह चुके के जरीवाल को एक भारी और भी दैदारी हो गया कि गंगा लोगों के बैरागी नहीं आए और आज दिल्ली की जनता ने सारे लालच नकारक भाजपा की सरकार बनाने में दिल्ली का भला समाज। दिल्ली के पुरुषियों की जनता ने उनका कहना है कि दिल्ली का विद्यावाक ने एक हरियाणा में बदलाव नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। अब दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव

न इग्नी-झोपड़ी गालों ने दिया साध, न मृपत की रेवड़ियों से बनी बात

मुजफ्फरनगर। दिल्ली की जनता बर मुख्यमंत्री रह चुके के जरीवाल को एक भारी और भी दैदारी हो गया कि गंगा लोगों के बैरागी नहीं आए और आज दिल्ली की जनता ने सारे लालच नकारक भाजपा की सरकार बनाने में दिल्ली का भला समाज। दिल्ली के पुरुषियों की जनता ने उनका कहना है कि दिल्ली का विद्यावाक ने एक हरियाणा में बदलाव नहीं 27 वर्षों का भाजपा का बनवास इसी मैनेजरेंट के दिल पर खड़ा हुआ और भाजपा पर एक बार पर खड़ी दिल्ली में एक बार दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। अब दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली में जाने आई। इस बार जैसा परिवर्तन पालने पर दिल्ली की गाजियाँ दिल्ली के बाद रानीनिक पंडितों और विशेषकों ने गहुल में राजनीतिक अनुभव

न इग्नी-झोपड़ी गालों ने दिया साध, न मृपत की रेवड़ियों से बनी बात

मुजफ्फरनगर। दिल

